B.A. (Honours) Examination, 2018
Semester-VI
Hindi (Honours)
Course : H-16
(अन्य गद्य विद्याएँ)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित गद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 2×8=16

(क) 'जीवन निस्सार तो नहीं है, यद्यपि उसको आसमान पर नहीं उठाना चाहिए। जीवन-पथ के प्रदर्शन के लिए उपयुक्त ग्रंथों की आवश्यकता है, और समानधर्मा लेखक के होने पर वे बड़े सहायक हो सकते हैं। अतीत क्या सचमच स्वप्न है? नहीं, उसकी स्मृति सुखद होती है: हाँ, कभी कभी दुःखद भी होती है।

(ख) वास्तव में जीवन सौन्दर्य की आत्मा है; पर वह सामंजस्य की रेखाओं में जितनी मूर्तिमत्ता पाता है, उतनी विषमता में नहीं। जैसे-जैसे हम बाह्य रूपों की विविधता में उलझने जाते हैं, वैसे-वैसे उसके मूलगत जीवन को भूलते जाते हैं।

(ग) मैं जिसे देवता समझ बैठा था पह तो आदमी निकला। मैंने अपनी आत्मा से पूछा, हे मेरी आत्मा तु ही बता! क्या गाली खाकर बदनामी करवाकर मैं ईमानदार बना रहूँ?

(घ) कुछ क्षणों के लिए उसका सारा जीवन हरीतिमामय हो जाता है; खजूरों की उस झुरमुट में वह मीठे फल और मीठा पानी पाता है। एकाध दिन वहीं रहकर वह आनंद मनाता है, रक्त संचय करता है, फिर ताजगी और नई उमंग लेकर आगे बढ़ता है, आगे जहाँ, फिर वही अनंत बालुका-राशि है।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए : 2×12=24

(क) राहुल सांकृत्यायन के यात्रा-साहित्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ख) पठित संस्मरणों के आधार पर महादेवी जी की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'बेचारा भला आदमी' के पीछे लेखक के उदेश्य को उद्घाटित कीजिए।

(घ) 'सुभान खाँ' का चरित्र-चित्रण कीजिए।